ओमशान्ति मीडिया के सफलतम 21 वर्ष

परमात्म शक्ति द्वारा स्वर्णिम भारत बनाने में मीडिया का योगदान बहुत ही अहम रहा है। उसमें भी परमात्म संदेश जन-जन तक पहुँचाने के लिए एक मात्र आध्यात्मिक न्यूज़पेपर कम मैगज़ीन "ओमशान्ति मीडिया" सफलतम 21 वर्ष पूरे कर रहा है। इस उपलक्ष्य में "ओमशान्ति मीडिया" पूरे भारतवर्ष में "21" मीडिया सेमिनार एवं रिट्रीट कार्यक्रम करने को कृत संकल्पित है। मूल्यनिष्ठ समाज की संरचना के लिए यह पत्रिका पूर्णतः समर्पित है। "परमात्म शक्ति द्वारा स्वर्णिम भारत की स्थापना" विषय के तले हम भी समाज के विभिन्न वर्गों के अंदर, स्व के प्रति, समाज के प्रति और साथ ही विश्व के प्रति क्या ज़िम्मेवारी होनी चाहिए उसकी जागृति हेतु कार्यक्रम करने को लेकर अति उत्साहित हैं। आप सभी ईश्वरीय परिवार के भाई बहनों एवं सर्व पाठकों का अति स्नेह व जुड़ाव सदा रहा है। जिससे ही ओमशान्ति मीडिया अपने 21 वर्षीय सफलता के शिखर को छूने में कामयाब रहा है।

परमात्मा के महावाक्य हैं कि "मीडिया ही प्रत्यक्षता का आधार बनेगा।" तो आपके द्वारा भी अपने-अपने क्षेत्र में ओमशान्ति मीडिया की 21वीं वर्षगांठ के निमित्त कॉन्फ्रेन्स, सेमिनार या संगोष्ठी करके मनाया जा सकता है। इसी सम्बंध में आपको हमसे किसी भी प्रकार का कोई सहयोग चाहिये तो हमें अवश्य सूचित करें। ताकि हम सब मिलकर परमात्मा के विश्व परिवर्तन के कार्य में मददगार बन प्रत्यक्षता का नगाड़ा बजायें।

अधिक जानकारी के लिए
मो. - 9414154344, 7014986494
ई-मेल : omshantimedia@bkivv.org

कितना ज़रूरी है लक्ष्य बनाना

एक बार एक आदमी सड़क पर सुबह-सुबह दौड़ लगा रहा था, अचानक एक चौराहे पर जाकर वो रुक गया, उस चौराहे पर चार सड़क थी जो अलग रास्ते पे जाती थी। एक बूढ़े व्यक्ति से उस आदमी ने पूछा, सर ये रास्ता कहाँ जाता है? बूढ़े व्यक्ति ने पूछा, आपको कहाँ जाना है?

आदमी - पता नहीं। बूढ़ा व्यक्ति - तो कोई भी रास्ता चुन लो क्या फर्क पड़ता है। वो आदमी उसकी बात को सुनकर निःशब्द सा रह गया, कितनी सच्चाई छिपी थी उस बूढ़े व्यक्ति की बातों में। सही ही तो कहा, जब हमारी कोई मंज़िल ही नहीं है, तो जीवनभर भटकते ही रहना है। जीवन में बिना लक्ष्य के काम करने वाले लोग हमेशा सफलता से दूर रह जाते हैं, जबकि सच तो ये है कि इस तरह के लोग कभी सोचते ही नहीं कि उन्हें क्या करना है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में किये गए सर्वे की मानें तो जो छात्र अपना लक्ष्य बना कर चलते हैं तो वो बहुत जल्दी अपनी मंजिल को प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनका उन्हें पता है कि उन्हें किस रास्ते पर जाना है।

लक्ष्य एकाग्र बनाता है

अगर सफलता एक पौधा है तो लक्ष्य ऑक्सीज़न है। आज हम बात करेंगे कि लक्ष्य कितना महत्वपूर्ण है? कितना ज़रूरी है लक्ष्य बनाना? अगर हमने अपने लक्ष्य का निर्धारण कर लिया है तो हमारा दिमाग दूसरी बातों में नहीं भटकेगा, क्योंकि हमें पता है कि हमें किस रास्ते पर जाना है। सोचिये अगर आपको धनुष बाण दे दिया जाये और आपको कोई लक्ष्य ना बताया जाये कि तीर कहाँ चलाना है तो आप क्या करेंगे? कुछ नहीं। तो बिना लक्ष्य के किया हुआ काम व्यर्थ ही रहता है। कभी देखा है कि एक कांच का टुकड़ा धूप में किस तरह कागज़ को जला देता है और वो एकाग्रता से ही सम्भव है।

लक्ष्य आपको अविचलित रखेगा

लक्ष्य बनाने से हम मानसिक रूप से बंध से जाते हैं, जिसकी वजह से हम फालतू की चीज़ों पर ध्यान नहीं देते और पूरा समय अपने काम को देते हैं। सोचिये आपका कोई मित्र विदेश जा रहा हो और वो 09:00pm पर आपसे मिलने आ रहा हो और आप 8:30pm पर अपने ऑफिस से निकले और अगर स्टेशन जाने में 25-30 मिनट लगते हों तो आप जल्दी से स्टेशन की तरफ जायेंगे, सोचिये, क्या आप रास्ते में कहीं किसी काम के लिए रुकेंगे? नहीं। क्योंकि आपको पता है कि मुझे अपनी मंज़िल पर जाने में कितना समय लगेगा, तो लक्ष्य बनाने से आपकी सोच पूरी तरह निर्धारित हो जाएगी और आप भटकेंगे नहीं।

आपकी प्रगति का मापक है लक्ष्य

सोचिये कि आपको एक 500 पेज की किताब लिखनी है। अब आप रोज़ कुछ पेज लिखते हैं तो आपको पता होता है कि मैं कितने पेज लिख चुका हूँ या कितने पेज लिखने बाकी हैं। इसी तरह लक्ष्य बनाकर आप अपनी प्रगति को माप सकते हैं और आप जान पाएंगे कि आप अपनी मंजिल के कितने करीब पहुंच चुके हैं। बिना लक्ष्य के ना ही आप ये जान पाएंगे कि आपने कितनी प्रोग्रेस की है और ना ही ये जान पाएंगे कि आप मंज़िल से कितनी दूर हैं?

लक्ष्य आपको प्रेरित करेगा

जब भी कोई व्यक्ति सफल होता है, अपनी मंजिल को पाता है तो एक लक्ष्य ही होता है जो उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। आपका लक्ष्य, आपका सपना आपको उमंग और ऊर्जा से भरपूर रखता है।

इसीलिए हमेशा ये ध्यान रखना है कि बिना लक्ष्य के आप भले कितनी भी मेहनत कर लें, सब व्यर्थ ही रहेगा। जब आप अपनी पूरी एनर्जी किसी एक प्वांइट, एक लक्ष्य पर लगाओगे तो निश्चित ही सफलता आपके कदम चूमेगी।

ऋषिकेश-उत्तराखंड। नवरात्रि कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में ब्र.कु. आरती, यशपाल अग्रवाल,संरक्षक,वरिष्ठ कल्याण संगठन,प्रातीय व्यापार संघ तथा अन्य।

टोहाना-हरियाणा। त्रिमूर्ति शिवजयंती पर शिव संदेश देने हेतु आयोजित शोभा यात्रा का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ करते हुए जैन समाधि अस्पताल के प्रधान, समाज सेवी नरेश जैन, ब्र.कु. कौशल्या, ब्र.कु. बिन्दू, ब्र.कु. वन्दना तथा अन्य भाई-बहनें।

फतेहगढ़-उ.प्र.। सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् राजपूत रेजीमेन्ट सेन्टर के मेजर सर्वेश सिंह यादव को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुमन।

बास्को-वस्सी(जयपुर)। नवनिर्मित सेवाकेन्द्र 'शिव दर्शन भवन' का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. हेमलता,क्षेत्रीय निदेशिका इंदौर, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ललिता, ब्र.कु. सुनीता तथा अन्य।

तोशाम-हरियाणा। सेवाकेन्द्र पर कार्यक्रम के दौरान नवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए ब्र.कु. चंद्रकला तथा ब्र.कु. मंजू।

आस्का-ओडिशा। दोनों नदियों के संगम पर लगे मेले में लस्सी बांटने की सेवा करते हुए ब्र.कु. लिली।